RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

नागौर डेली न्यूज

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 353 | नागौर, 15 दिसम्बर, 2022 (गुरूवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

लोकसभा में विपक्षी दलों ने प्रश्नकाल में सदन से वॉकआउट किया

नयी दिल्ली।

लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस, द्रमुक सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने प्रश्नकाल के दौरान कई मुद्दे उठाने का प्रयास किया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इसकी अनुमति नहीं मिलने पर सदन से वॉकआउट किया। आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और द्रमुक के टी आर बालू को कुछ मुद्दों को उठाने का प्रयास करते देखा गया। हालांकि शोर-शराबे में उनकी आवाज नहीं सुनी जा सकी। एक सदस्य को 'जस्टिस फॉर स्टेन स्वामी' लिखी तख्ती प्रदर्शित करते देखा गया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, '' प्रश्नकाल सभी सदस्यों का है। क्या विपक्ष प्रश्नकाल नहीं चलने देना चाहता है। प्रश्नकाल में रोज हंगामा करना अच्छी बात नहीं है।'' उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछना और जवाब लेना विपक्ष का अधिकार है। क्या अपने ही अधिकारों से विपक्ष वंचित होना चाहता है? सदन में कुछ सदस्यों के तख्तियां दिखाने पर बिरला ने कहा कि तख्तियां लाना छोड़ दें, यह ठीक नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ने द्रमुक सदस्य टी आर बालू से कहा कि वह सदस्यों को सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने का पूरा मौका देते हैं। इसके बाद कांग्रेस, द्रमुक, राकांपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों ने प्रश्नकाल के दौरान सदन से वॉकआउट किया। इनमें से कुछ सदस्य 'नहीं चलेगा, नहीं चलेगा' नारे लगा रहे थे। हालांकि, थोड़ी देर बाद कुछ विपक्षी सदस्य सदन में लौट आए।

राजस्थान सरकार महिलाओं को उपलब्ध कराएगी सैनेटरी नैपकीन

जयपुर

राजस्थान की अशोक गहलोत की सरकार ने महिलाओं को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दी गई है। अशोक गहलोत ने कहा है कि जनहित में हम हर महिला को हर महीने 12 सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराएंगे। अपने आप में यह सरकार का बड़ा फैसला है। अपने वक्तव्य के दौरान अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि मासिक धर्म चक्र के दौरान महिलाएं चुपचाप क्यों सहें? उन्होंने आगे कहा कि इसके आसपास के झिझक को पीछे छोड़ देना चाहिए। जनहित में हम हर महिला को हर महीने 12 सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराएंगे।

अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा है कि महंगाई के दौरान कांग्रेस की योजनाएं लोक के लिए वरदान साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में उड़ान, इंदिरा रसोई, इंदिरा गांधी शहरी रोज़गार योजना, किसानों के लिए सम्मान पेंशन योजना, ये सारी योजनाएं लोगों को राहत पहुंचा रहीं हैं। इसके साथ ही आम लोगों की सामाजिक सुरक्षा पर जोर देते हुए गहलोत ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह पूरे देश के लिए पेंशन की नीति बनाएं और बुजुर्गों आदि को पेंशन के बारे में नीतिगत फैसला किया जाए। भाजपा पर हमला करते हुए गहलोत ने कहा कि वे सत्ता में जरूर हैं लेकिन उनकी सोच कभी प्रगतिशील नहीं रही। भाजपा व जनसंघ वाले प्रतिक्रियावादी लोग रहे हैं... जो समय के साथ साथ धर्म के नाम पर सत्ता में आ गए हैं। इस दौरान जयराम रमेश भी मौजूद रहे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी बार-बार कहते हैं कि हम गैर भाजपा सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करते हैं, लेकिन मुझे लगता है पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट एक मिसाल है जहां जानबूझकर भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विकास के 'गुजरात मॉडल' पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि बार बार जब गुजरात मॉडल की बात होती है... हमारे प्रधानमंत्री ने 'पीएम' की परिही बदल दी है।

राहुल ने महात्मा गांधी से तुलना पर जताई नाराजगी

कहा : नेहरू, इंदिरा, राजीव को जो करना था किया, हर मीटिंग में इसका जिक्र न करें

दौसा.

राहुल ने महात्मा गांधी की यात्रा से उनकी तुलना करने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को टोकते हुए नाराजगी जताई। कहा- अभी डोटासरा ने गांधी जी और मेरी तुलना की, यह बिल्कुल गलत है। गांधी जी की जगह कहीं और है और मेरी जगह कहीं और है, तुलना करनी नहीं चाहिए।

वह महान व्यक्ति थे, उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश की आजादी के लिए दी, 12 साल जेल काटी, उनकी जगह कोई और भर नहीं सकता है । उनकी जगह मेरा नाम भी नहीं लेना चाहिए। राहुल बुधवार शाम को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दौसा के बगड़ी में नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा- मैं कुछ कड़वी बातें पार्टी के साथियों से कहना चाहता हूं। राजीव गांधी जी ने जो किया, इंदिरा गांधी जी ने जो किया वे शहीद हुए, उन्होंने जो करना था किया और अच्छा किया। कांग्रेस पार्टी को हर मीटिंग में यह दोहराना नहीं चाहिए।

महात्मा गांधी ने जो किया वह कर दिया। जो इंदिरा गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल जी, राजीव गांधी ने जो किया कर दिया। अच्छा है, मगर हमें यह बोलना चाहिए कि हम जनता के लिए क्या करेंगे या क्या करने जा रहे हैं यह ज्यादा जरूरी। मेरे दिल में बात आई, कभी-कभी मैं जो दिल में आता है वह कह देता हूं तो मैं आपसे माफी मांगता हूं।

राहुल गांधी ने कहा- देश के 100 पूंजीपतियों के पास आधे हिंदुस्तान की आबादी जितना पैसा है। नरेंद्र मोदी भी इन्हीं के इशारे पर काम करते हैं। जो ये कहते हैं वही काम मोदी करते हैं। बड़े उद्योगपतियों ने कहा कि छोटे व्यापारियों को खत्म करना है, जो मोदी ने किया। जीएसटी गलत तरीके से इसीलिए लागू की। मुझे आज ही बताया गया कि 25 किलो से कम गुड़, बेसन बेचने पर तस्ज्ञ लगता है, ज्यादा पर नहीं लगता। इसीलिए छोटे कारोबारियों को खत्म करने का षड्यंत्र किया गया।

यात्रा से जुड़े पूर्व आरबीआई गवर्नर

चीन को मुंहतोड़ जवाब दें, हम सरकार के साथ खड़े हैं : पायलट

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में आज आरबीआई के पूर्व गवर्नर एन रघुराम राजन जुड़े हैं। राहुल गांधी ने राजन के साथ लंबी चर्चा की। टी ब्रेक तक लगातार दोनों बातचीत करते हुए चल रहे थे। आर्थिक मुद्दों पर रघुराम राजन बेबाक राय रखते रहे हैं। गौरतलब है कि भारत जोड़ो यात्रा में लगातार अलग-अलग क्षेत्रों के लोग जुड़ रहे हैं।

राहुल गांधी और रघुराम राजन के बीच आधे घंटे से ज्यादा समय बातचीत हुई। दोनों ने एक डॉक्यूमेंट्री के लिए आर्थिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। रघुराम राजन को यूपीए के दूसरे कार्यकाल में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का गवर्नर बनाया गया था।

इधर, यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने भारत-चीन सीमा विवाद पर कहा, जब यह घटना घटी, उसके 5 दिन बाद सरकार का स्टेटमेंट आया है, लेकिन उसमें कुछ भी नया नहीं है। केंद्र सरकार को चाहिए इस मुद्दे पर विपक्ष को विश्वास में लेकर चर्चा करें। इस मसले पर पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है, लेकिन बिना पारदर्शिता लाए हम कैसे आगे बढ़ेंगे। सच्चाई के साथ केंद्र सरकार को चर्चा करनी चाहिए। अगर सीमा पर चीन अतिक्रमण करना चाहता है तो उसका मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। इससे पहले मंगलवार को दौसा में ही राहुल गांधी गो बैक के नारे लिखे मिले। इसकी जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। शहर के आगरा रोड और लालसोट ओवरब्रिज पर लिखे इन स्लोगन को तुरंत मिटाया गया है।

सचिन पायलट ने ईआरसीपी प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि केंद्र सरकार अब रेशियो की बात करके भ्रम पैदा कर रही है। इस पूरे मामले में राजनीति कर रही है, जो ठीक नहीं है। केंद्र ने समय रहते इस मामले में

कुछ नहीं किया है ,जबकि प्रधानमंत्री मोदी दो बार राजस्थान आकर वादा कर चुके हैं। अब रेशियो की बात करके केंद्र सरकार मामले को फंसा रही है। उन्होंने जो कहा, उस पर कायम रहना चाहिए।

सीएम अशोक गहलोत ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार पर हमला बोला। गहलोत ने कहा- लोग कहते हैं कि 2024 के बाद मोदी चुनाव करवाएंगे या नहीं, इस तरह की बातें चल रही हैं, यह खतरनाक धारणा है। मुझे पूरा विश्वास है कि लोकतंत्र कायम रहेगा और मोदी इसे कायम रखेंगे। हालांकि उनके बारे में इस तरह की चर्चा चलना क्या साबित करता है?

सतीश पूनिया राहुल गांधी से दसवां सवाल

राजस्थान की टूटी सड़कें कब ठीक होंगी ?

जयपुर

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने करौली में जन आक्रोश पैदल मार्च करते हुए सड़कों की बदहाल हालत दिखाकर राहुल गांधी से दसवां सवाल पूछा है। पूनिया ने कहा- राजस्थान की टूटी सड़कें कब ठीक होंगी ? सतीश पूनिया बोले- मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र में भी यह नजारा देखने को मिलेगा। एक तरफ तो राहुल गांधी के लिए नई कारपेट सड़क बिछाई जा रही है। दूसरी तरफ बरसों-बरस से टूटी सड़कें अशोक गहलोत सरकार की बानगी बताती हैं। बदहाल सड़कें कई मौकों पर जनता ने देखी हैं। जोधपुर में किस तरह सड़क पर बीचों बीच गड्ढा हुआ और बुजुर्ग उस गड्ढे में गिरने को मजबूर हुआ। ऐसे नजारे राजस्थान की सड़कों के आम हैं।

बीएसपी यानी बिजली-सड़क-पानी

कांग्रेस ने अपने 2018 के जन घोषणा पत्र में वादा किया था कि कांग्रेस की सरकार आएगी। तो सड़कों का जाल बिछाएगी। पुरानी सड़कों की मरम्मत करेगी और नई सड़कें बनाएगी। ये तो शुक्र है प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जरिए राजस्थान 70 हजार किलोमीटर सड़कों से

जुड़ा। लेकिन अशोक गहलोत के 2018 से अब तक शासनकाल में बिजली-सड़क और पानी यानी क्रास्कसबसे से ज्यादा बदहाल है। क्रास्क पार्टी भले ही अशोक गहलोत की सरकार को बचाने में कारगर रही होगी, लेकिन ये क्रास्क यानी बिजली-सड़क-पानी गहलोत सरकार के पतन का कारण बनेगी। इसलिए मेरा राहुल गांधी से दसवां सवाल है कि राजस्थान की बदहाल सड़कें कब ठीक होंगी। आपके लिए तो यहां की सरकार ने कारपेट बिछा दिया। अच्छी सुगम सड़कें बिछा दीं, लेकिन हम लोग टूटी सड़कों पर चलने को मजबूर हैं। राजस्थान की बदहाल सड़कों की दशा कब सुधरेगी ?

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष के 10 सवालों का राहुल या सीएम ने नहीं दिया कोई जवाब

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया पिछले 10 दिन से लगातार राहुल गांधी से सवाल पूछ रहे हैं। उनके सभी सवालों को राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस सरकार नजर अंदाज किए हुए हैं। एक भी सवाल का जवाब अब तक नहीं दिया गया है। राहुल गांधी की 18 दिन की राजस्थान यात्रा के दौरान पूनिया ने रोजाना एक सवाल उनसे पूछने का फैसला लिया है। पूनिया रोजाना एक सवाल पूछ भी रहे हैं। लेकिन प्रदेश कांग्रेस भी उनके सवालों पर जवाब देना उचित नहीं समझ रही है। राहुल गांधी के दौरे के दौरान कांग्रेस पार्टी या सरकार बीजेपी के सवालों को मुद्दा नहीं बनने देना चाहती है। इसलिए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष के सारे सवाल खाली ही जा रहे हैं। हालांकि पूनिया जनता और मीडिया तक लगातार अपने सवाल पहुंचा रहे हैं।

राजस्थान में 48 हजार पदों पर होगी शिक्षकों की भर्ती

21 से 19 दिसम्बर तक आवेदन

जयपुर.

राजस्थान के लाखों अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने शिक्षक भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति बुधवार को जारी कर दी है। इसके तहत प्रदेश में अब 48 हजार पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए 21 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। 19 जनवरी तक यह प्रक्रिया चलेगी। 25 से 28 फरवरी तक परीक्षा होगी। 26 सितंबर 2021 को 15 हजार पदों पर आयोजित रीट लेवल-2 का पेपर आउट होने के बाद सरकार ने रद्द कर दिया था। इसके बाद सीएम अशोक गहलोत ने 2022 में कुल 31 हजार 500 पदों पर लेवल-2 की भर्ती निकाली। इसमें लेवल-2 के पुराने 15 हजार पद भी शामिल थे। भर्ती विज्ञप्ति जारी होने के पहले सरकार ने एक बार फिर लेवल-2 के पदों को घटाकर लेवल-1 के पदों में बढ़ोतरी कर दी थी। इसके बाद प्रदेशभर के युवाओं ने सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक इसे लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। युवाओं के विरोध के बाद अब सरकार ने लेवल-2 में भी 1500 पदों की संख्या में इजाफा किया है।

8 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स होंगे मुख्य परीक्षा में शामिल-23-24 जुलाई को हुई रीट-2022 के रिजल्ट के अनुसार, लेवल-2 की परीक्षा में 6,03,228 अभ्यर्थी पात्र घोषित किए गए हैं, जबकि रीट लेवल-1 की परीक्षा में 2,03,609 अभ्यर्थी पात्र घोषित किए गए। ऐसे में राजस्थान के सरकारी स्कूल के टीचर के एक पद के लिए 603 उम्मीदवार मैदान में होंगे।

नेता प्रतिपक्ष बोले- राजस्थान रेप में नंबर वन

गहलोत कहते हैं बलात्कार के अधिकतर मामले झूठे, रेप के 13500 मुकदमे दर्ज : कटारिया

जयपुर

नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री गुलाबचन्द कटारिया ने कहा- राजस्थान महिलाओं से बलात्कार में नम्बर-1 पर आ गया है। मुख्यमंत्री गहलोत कहते हैं कि बलात्कार के अधिकतर मामले झूठे होते हैं, इसके बावजूद भी इस साल नाबालिग बच्चियों से बलात्कार के 13 हजार 500 मुकदमे दर्ज हुए हैं। पिछले 3 साल में बलात्कार के मामलों में राजस्थान में 36 फीसदी की प्रति वर्ष बढ़ोतरी रिकॉर्ड हुई है। कटारिया बोले- प्रदेश में गैंगवार के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज राजस्थान में शहर-शहर में छोटी-छोटी गैंग पनप रही हैं। कोई भी आपराधिक गैंग बिना पुलिस के संरक्षण में सक्रिय नहीं हो सकती। जिसकी बानगी हाल ही में सीकर में हुई राजू ठेहठ की हत्या और एक बच्ची के बेकसूर पिता को मौत के घाट उतारने के दौरान दिखाई दी।

सीएम ने पूर्व डिप्टी सीएम को गद्दार कहा, फिर भी मंच साझा कर रहे

कटारिया बोले- सरकार की इससे ज्यादा नाकामी क्या हो सकती है कि मुख्यमंत्री अपने पूर्व उप मुख्यमंत्री रहे नेता को गद्दार कहता है। लेकिन साथ में अब भी मंच साझा किया जा रहा है। कांग्रेस के मंचों पर गहलोत और

पायलट दोनों को साथ में दिखाने के लिए नाटक किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर जन आक्रोश यात्रा को लेकर नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित करते हुए कह- यह जन आक्रोश यात्रा सिर्फ भाजपा की नहीं बल्कि पूरे राजस्थान की जनता का कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश है।

17 दिसंबर को सरकार झूठ का बखान करेगी-कटारिया ने सीएम गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा- गहलोत सरकार के 4 साल पूरे हो गए हैं। अब 17 दिसंबर को सरकार झूठ का बखान करेगी। बड़े-बड़े विज्ञापन आएंगे। लेकिन गहलोत कोई एक योजना ऐसी बताएं जो 25 करोड़ की हो और प्रदेशवासियों के लिए उसे लागू किया गया हो।

शेखावाटी में बढ़ी सर्दी : फतेहपुर, बीकानेर, नागौर, सीकर में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

जयपुर।

राजस्थान में आज से उत्तरी हवाओं का प्रभाव बढ़ने से तापमान नीचे आ गया। शेखावाटी बेल्ट में सीकर, फतेहपुर के अलावा बीकानेर, उदयपुर, भीलवाड़ा समेत कई शहरों में रात का मिनिमम टेम्प्रेचर 1 से लेकर 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। बीकानेर में बीती रात इस सीजन की सबसे ठंडी रात रही, जहां न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अलविदा हम जा रहे...कहकर पति-पत्नी ने किया सुसाइड

कोटा।

कोटा में कर्ज से परेशान पति-पत्नी ने सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने से पहले दोनों ने बेटे से बात की और फिर जहर खाकर जान दे दी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। आसपास के लोगों से पुलिस जानकारी ले रही है। घटना कोटा के आरकेपुरम थाना क्षेत्र की है। सुसाइड से पहले दोनों ने अपने बड़े बेटे को फोन किया था। फोन पर कहा- अलविदा हम जा रहे हैं। इसके बाद फोन काट दिया। मृतक राजकुमार और उसकी पत्नी शालिनी रोजड़ी इलाके में रहते थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों कर्ज के दबाव से परेशान थे। मृतक दंपती के दो लड़के व एक लड़की है। लड़की की शादी हो चुकी है। दोनों बच्चे भी अलग-अलग रहते हैं। शालिनी आंगनवाड़ी में काम करती थी, जबकि राजकुमार ट्रांसपोर्ट नगर में हार्डवेयर की दुकान लगाता था।

मृतक के बेटे करन ने बताया- करीब 6 बजे फोन आया था। उन्होंने कहा कि अलविदा हम जा रहे हैं, गोली खा ली है। इसके बाद फोन काट दिया। मैं दोड़कर घर पहुंचा तो दोनों उल्टियां कर रहे थे। 7 बजे के करीब अस्पताल आए। तब तक पिता की मौत हो गई। फिर मां ने भी दम तोड़ दिया। किसी से रुपए लेने थे और किसी को देने भी थे। तीन चार लोग हैं।

कर्ज से परेशान थे दोनों, आत्महत्या से पहले बेटे को किया फोन

25 लाख का कर्ज था

आरकेपुरम थाना सीआई अनिल जोशी ने बताया- सुबह सूचना मिली थी कि राजकुमार सिंधी और पत्नी शालिनी जहर खा लिया है। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। बेटे करन ने बताया है कि कर्जे की बात को लेकर परेशान किया जा रहा था। करीब 25 लाख रुपए का कर्ज बताया जा रहा है। कर्ज देने वाले लोग उन पर दबाव बना रहे थे। छोटा बेटा भुवनेश पिता के साथ ही काम करता था, लेकिन दोनों अलग रहते थे। उन्होंने रजिस्ट्रर में एसपी व डीएसपी के नाम सुसाइड नोट लिखा है। रजिस्टर को पुलिस ने जब्त किया है। मृतक राजकुमार के बड़े बेटे करन ने बताया कि मैंने पुरा सुसाइड नही पड़ा। उसमें तीन चार लोगों के नाम लिखे हैं।

सम्पादकीय

शोर की मार

वायु प्रदूषण को लेकर लंबे समय से जताई जा रही चिंताओं के बीच अब इतना जरूर हुआ है कि बड़ी तादाद में लोग इस मसले पर जागरूक हुए हैं। और इससे बचने के उपायों को लेकर सचेत रहते हैं। मगर प्रदूषण के अन्य स्वरूपों के प्रति अभी वैसी समझ नहीं बन पाई है। खासकर तेज स्वर में बजने वाले यंत्र आसपास के माहौल को अशांत करने और व्यक्ति की सेहत पर क्या असर डाल सकते हैं, इस बारे में शायद ही कोई फिक्र करता है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण को लेकर अक्सर सतर्क किया जाता और इससे बचने की सलाह दी जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश और नियम-कायदे भी हैं, लेकिन इसके प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती है। शायद यही वजह है कि दिनोंदिन ध्वनि प्रदूषण की समस्या गहराती जा रही है। इसके मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सरकार ने शोर से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सख्ती बरतने का फैसला किया है। इस संदर्भ में दिल्ली के पर्यावरण विभाग ने अपने एक आदेश में कई संबंधित महकमों को राष्ट्रीय राजधानी में ध्वनि प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने पिछले साल पच्चीस जून को इस मामले में स्पष्ट निर्देश जारी किया था, जिसके तहत ध्वनि नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाए जाने पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के अनुसार अधिकारियों की इजाजत के बिना लाउडस्पीकर या सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का उपयोग नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा, सभागार, सम्मेलन कक्ष, समुदाय और विवाह समारोह आदि के लिए निर्धारित बंद परिसरों को छोड़ कर लाउडस्पीकरों का उपयोग रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच नहीं किया जा सकता। दरअसल, ये नियम पहले से लागू हैं। लेकिन यह छिपा नहीं है कि कभी विवाह तो कभी जागरण या किसी अन्य कारण से आयोजित समारोहों में लाउडस्पीकर आदि जिस तरह और जितनी तेज आवाज में बजाए जाते हैं, वे ध्वनि प्रदूषण के पैमानों को आमतौर पर धता बताते रहते हैं। साथ ही सड़कों पर चलने वाले वाहन भी कई बार रात में नाहक तेज स्वर में भोंपू बजाते हैं। वह कोई संकेतक कम, परेशानी की वजह ज्यादा होता है। जबकि एक कुशल वाहन चालक केवल गाड़ी की बत्तियों की रोशनी के संकेतों के सहारे ही अपना रास्ता तय करता है।

शायद ही इस बात का ध्यान रखने की कोशिश की जाती है कि ऐसे शोर से आसपास के लोगों को कितनी असुविधा हो रही होगी। लेकिन यह केवल असुविधा का मामला नहीं है। तेज या तीखे स्वर कान में पड़ने से कई शारीरिक बीमारियां और मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। इसके असर से व्यक्ति बहरेपन, यादाश्त और एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद के अलावा नपुंसकता और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ सकता है। ध्वनि प्रदूषण अगर उच्च और असुरक्षित स्तर तक है तो यह मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों और पेड़ों आदि को भी नुकसान पहुंचाता है। इस स्तर के खतरे के बावजूद लोग अगर इस समस्या के प्रति लापरवाही बरतते हैं तो यह एक तरह से आत्मघाती स्थिति है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण को लेकर सरकार ने अगर सख्ती दिखाई है, तो इसे एक जरूरी कदम माना जा सकता है। मगर असली तकाजा ऐसे निर्देशों को सख्ती से लागू करने का है। हालांकि अगर लोग अपने स्तर पर ही जागरूक हों और अपनी सेहत को सुरक्षित रखने का ही खयाल रखें।

खाद्य सुरक्षा की राह के रोड़े

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि 'हमारी संस्कृति में किसी को भूखे पेट नहीं सोने देने की परंपरा है।' न्यायमूर्ति एमआर शाह और हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति तक भोजन पहुंचाना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। न्यायालय कोरोना महामारी के दौरान बंदी के चलते प्रवासी श्रमिकों की कठिनाइयों से संबंधित जनहित मामले पर सुनवाई कर रहा है। अदालत ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। इस संबंध में सरकार का दावा है कि पिछले आठ वर्षों में भारत में लोगों की प्रति व्यक्ति आमदनी बढ़ी है। यह वृद्धि औसतन 33.4 फीसद तक है। इसलिए प्रति व्यक्ति बड़ी आमदनी के चलते बड़ी संख्या में गरीब परिवार उच्च आयवर्ग के दायरे में आ गए हैं। सरकार को यह दलील इसलिए देनी पड़ी, क्योंकि न्यायालय ने कहा था कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों तक इस योजना के लाभ को सीमित न रखा जाए। अन्य जरूरतमंदों को भी इसमें शामिल किया जाए। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 2020 से गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज हर महीने निशुल्क दे रही है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत करीब सड़सठ फीसद आबादी को रियायती दर पर अनाज दिया जा रहा है। इसके दायरे में शहरों में रहने वाले पचास फीसद और गांवों में रहने वाले पचहत्तर फीसद लोग हैं। इस कल्याणकारी योजना पर एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए सबसिडी के रूप में दिया जाता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत 81.35 करोड़ लाभार्थी हैं। कोरोना महामारी के दौरान जब काम-धंधे पूरी तरह बंद हो गए थे, तब रोज कुआं खोद कर प्यास बुझाने वाले लोगों के सामने भोजन का संकट गहरा गया था। इसलिए भारत सरकार ने उन्हें राहत पहुंचाने के लिए पहले से मिल रहे सस्ते अनाज के अलावा पांच किलो मुफ्त अनाज और देने की पहल की थी, जो आज भी जारी है। हालांकि इस दौरान बंदी पूरी तरह खोल दी गई है। नतीजतन, शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाएं पटरी पर लौटने लगी हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने का काम धार्मिक पर्यटन ने पूरे देश में कर दिया है। ऐसे में अन्न योजना अनिश्चित आय वाले लोगों के लिए सोने में सुहागा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून पूरे देश में लागू है। इसके तहत देश भर के 81.35 करोड़ लोगों को दो रुपए किलो गेहूं और तीन रुपए किलो चावल मिलता है। सस्ते अनाज के इस अधिकार को इस कानून का उज्ज्वल पक्ष माना जाता है। मगर इतनी बड़ी संख्या में देश के लोग भूखे हैं, तो यह चिंता का विषय है कि आजादी के अमृत महोत्सव में भी यह भूख क्यों बनी हुई है। इसलिए संदेह लाजिमी है कि नीतियां कुछ ऐसी जरूर हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोटी के हक से वंचित बनाए रख रही हैं। पूंजी और संसाधनों पर अधिकार चंद लोगों की मुट्ठी में सिमटता जा रहा है। इस लिहाज से भूख की समस्या का यह हल सम्मानजनक और स्थायी नहीं है। इस परिप्रेक्ष्य में अब देश के नीति-नियंताओं की कोशिश होनी चाहिए कि लोग श्रम से आजीविका कमाने के उपायों से खुद जुड़ें और आगे भूख सूचकांक का जब भी नया सर्वेक्षण आए तो उसमें भूखों की संख्या घटती दिखे? न्यायालय की यही चिंता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत करीब सड़सठ फीसद आबादी को रियायती दर पर अनाज दिया जा रहा है। इसके दायरे में शहरों में रहने वाले पचास फीसद और गांवों में रहने वाले पचहत्तर फीसद लोग हैं। इस कल्याणकारी योजना पर एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए सबसिडी के रूप में दिया जाता है। लोगों तक इस अनाज को पहुंचाने के लिए पीडीएस की एक लाख इकसठ हजार 854 दुकानों पर ईपीओएस मशीनें लगाई गई हैं, जिससे अनाज की तौल सही हो। सही लोगों को इसका लाभ मिले, इसके लिए राशन कार्डों को आधार नंबर से भी जोड़ा गया है। इसके बावजूद पूरे देश में यह वितरण प्रणाली संदिग्ध बनी हुई है। निशुल्क अनाज योजना के अंतर्गत एक हजार लाख टन से अधिक अनाज प्रतिमाह बांटा जा रहा है। अब तक इस योजना पर 3.40 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इसलिए पूंजीवाद के समर्थक अर्थशास्त्री और उद्योगपति इस योजना का विरोध कर रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की भी यही मंशा है। हालांकि ऐसा नहीं कि सरकार केवल गरीबों को

अनाज में सबसिडी देती हो। उद्योगपतियों के भी हजारों करोड़ के कर हर साल माफ कर दिए जाते हैं। सरकारी कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के न केवल वेतन, बल्कि सुविधाएं भी बढ़ा दी जाती हैं। इसलिए वंचितों को राहत देना आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी देश की प्रतिबद्धता विश्वव्यापार से कहीं ज्यादा देश के गरीब और वंचित तबकों की खाद्य सुरक्षा के प्रति होती है। लिहाजा, जेनेवा में 2014 में आयोजित एक सौ साठ सदस्यों वाले डब्लूटीओ सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने समुचित व्यापार अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। इस करार की सबसे महत्त्वपूर्ण शर्त थी कि संगठन का कोई भी सदस्य अपने देश में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य का दस फीसद से ज्यादा अनुदान खाद्य सुरक्षा पर नहीं दे सकता। जबकि भारत के साथ विडंबना है कि खाद्य सुरक्षा कानून और मुफ्त अन्न योजना के तहत देश की सड़सठ फीसद आबादी खाद्य सुरक्षा के दायरे में है। इसके लिए बतौर सबसिडी जिस धनराशि की जरूरत पड़ती है, वह सकल फसल उत्पाद मूल्य के दस फीसद से कहीं ज्यादा बैठती है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री ने करार पर हस्ताक्षर नहीं करके यह मंशा जता दी थी कि उनकी सरकार गरीबों के हक में है। इस कानून में गरीब गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों के लिए अलग से पौष्टिक आहार की व्यवस्था भी है। सरकार को सबसे बड़ी चुनौती अनाज की खरीद और उसके उचित भंडारण की रहती है। अनाज ज्यादा खरीदा जाएगा तो उसके भंडारण की अतिरिक्त व्यवस्था करनी होती है, जो नहीं हो पा रही है। गोदामों में लाखों टन अनाज हर साल खराब हो जाता है। इस अनाज से एक साल तक दो करोड़ लोगों को भरपेट भोजन कराया जा सकता है। अनाज की यह बर्बादी भंडारों की कमी के बजाय अनाज भंडारण में बरती जा रहीं लापरवाहियों के चलते कहीं ज्यादा होती है। देश में किसानों की मेहनत और जैविक तथा पारंपारिक खेती को बढ़ावा देने के उपायों के चलते कृषि पैदावार लगातार बढ़ रही है। अब तक हरियाणा और पंजाब ही गेहूं उत्पादन में अग्रणी प्रदेश माने जाते थे, लेकिन अब मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी गेहूं की खूब पैदावार हो रही है। 2021-22 में उनतीस करोड़ टन अनाज की पैदावार हुई है, जिससे बढ़ती आबादी के अनुपात में खाद्यान्न मांग की आपूर्ति की जा सके। इसमें धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, दालें, मोटे अनाज तथा तिलहन भी शामिल हैं।

देश-प्रदेश समाचार

शारदा बाल निकेतन मूंडवा में मातृ सम्मेलन संपन्न

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज)। कस्बे में स्थित विद्या भारती विद्यालय शारदा बाल निकेतन में आज मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया । प्रधानाचार्य रामेश्वर लाल गौड़ ने बताया कि इस मातृ सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में (मु.आ.चि.अधिकारी) डॉक्टर सुशीला चौधरी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मूंडवा नगर पालिका की अध्यक्षा अलका कंदोई ने की। मुख्य वक्ता राष्ट्र सेविका समिति कि जिला संपर्क प्रमुख इंदु चौधरी रही। इस अवसर पर डॉ. सुशीला चौधरी ने अपने संबोधन में नारी शक्ति एवं बालक के निर्माण में मां की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि आज नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है। मुख्य वक्ता इंदु चौधरी ने कहा कि बालक का निर्माण करने में माता की भूमिका ही सर्वश्रेष्ठ होती है क्योंकि बालक की प्रथम गुरु मां ही होती है मां वात्सल्य की मूर्ति होती है लेकिन स्वाभिमान पर आंच आने पर दुर्गा का रूप भी धारण करती है उन्होंनें जीजा माता, कौशल्या, यशोदा, द्रोपदी का उदाहरण देकर ऐतिहासिक नारियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन करते हुए कहा कि आज के युग में अपने बच्चों को अधिक सार संभाल एवं सजगता की आवश्यकता है। बालक अच्छे सुयोग्य नागरिक बने इसके लिए मां अपने व्यक्तित्व द्वारा प्रेरक प्रसंग एवं कहानियां तथा गीतों के माध्यम से अहम भूमिका निभाती है। नागौर विद्यालय की प्रधानाचार्य कमला चारण तथा जय श्री शर्मा ने भी इस अवसर पर सुझाव दिए एवं अपने विचार प्रकट किए। इस कार्यक्रम में लघु नाटिका गीत एवं प्रश्नोत्तरी क्विज आदि कार्यक्रम भी रखे गए। प्रश्नोत्तरी में माताओं ने सटीक उत्तर देखकर पुरस्कार प्राप्त किए। इस मौके पर प्रांत सेवा प्रमुख रुद्र कुमार शर्मा, श्रीनिवास ओझा, ओमप्रकाश मुंडेल, रामनिवास राव, किरण शर्मा, सहित विद्यालय के सभी आचार्य बंधु भगिनी एवं अभिभावक माताएं उपस्थित रही। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रमुख हवाईअड्डों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए सभी एजेंसियां मुस्तैद : सिंधिया

नई दिल्ली।

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि प्रमुख हवाईअड्डों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए सभी एजेंसियां पिछले 24-36 घंटों से मुस्तैद हैं। उन्होंने कहा, टर्मिनल-3 के प्रवेश द्वार और चेक-इन काउंटरों पर भीड़ कम हो गई है। चार अतिरिक्त एक्स-रे मशीनें लगाई गई हैं, प्रतीक्षा समय के बारे में बताने के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती पहले ही शुरू हो चुकी है, और अगले कुछ दिनों में इसमें वृद्धि होगी। सिंधिया ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि इन उपायों को बेंगलुरु और मुंबई हवाईअड्डों पर भी लागू किया जाएगा। बीते दिनों हवाई यात्रियों ने

विशेष रूप से दिल्ली हवाईअड्डे के टर्मिनल-3 (टी3) सहित विभिन्न हवाईअड्डों पर लंबे समय तक इतंजार करने की शिकायत की है। अधिकारी भीड़भाड़ को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 24-36 घंटों में सभी एजेंसियां सभी प्रमुख हवाई अड्डों पर भीड़ कम करने में जुट गई हैं।

पिन्टूलाल जाट ने डेगाना पालिका में ईओ का पदभार किया ग्रहण

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज़)। मुण्डवा नगरपालिका से तबादला होकर आये पिन्टूलाल जाट ने बुधवार को डेगाना नगरपालिका मे ईओं का पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर पालिका के चेयरमेन मदनलाल अटवाल, उपाध्यक्ष हारून रसीद ने नव पदस्थापित ईओ जाट का स्वागत किया तथा पालिका के द्वारा डेगाना शहर मे संचालित होने वाले विकास कार्य ओर योजनाओं के बारें मे जानकारी दी। इस अवसर पर पिन्टूलाल जाट ने पालिका मे कार्यरत कार्मिकों से भी मिलकर परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर चेयरमेन अटवाल, उपाध्यक्ष हारून रसीद, पार्षद गिरधारी मुण्डेल, प्रकाश कूकंणा, रघुनाथ राम गौदारा, शिवराम गौदारा सहित पार्षद ओर नागरिक मौजूद रहे।

सोने में 318 रुपये की तेजी चांदी 682 रुपये उछली

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 318 रुपये की तेजी के साथ 54,913 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 54,595 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव 682 रुपये की तेजी के साथ 69,176 रुपये प्रति किलोग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक, दिलीप परमार ने कहा, ''अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद से कम रहने के बीच पिछले सत्र में सोने की कीमतें पांच माह से भी अधिक के उच्चस्तर पर रहने के बाद एशियाई कारोबार में स्थिर रहीं।'' मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में जिंस अनुसंधान विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा, ''उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आंकड़ों के जारी होने के बाद डॉलर सूचकांक एक प्रतिशत से भी अधिक घटकर करीब छह माह के निचले स्तर तक आ गया।

सेंसेक्स 144 अंक बढ़कर 62,677 पर बंद, निफ्टी 52 अंक चढ़ा

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 144.61 अंक के लाभ में रहा। देश में महंगाई दर में नरमी के साथ अमेरिका में मुद्रास्फीति में कमी आने से बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 144.61 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,677.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 301.81 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 52.30 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,660.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

आज का राशिफल

मेष

आपको उग्र स्वभाव पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। आज आप मानसिकरूप से थकान का अनुभव करेंगे। अधिक परिश्रम की तुलना में कम फल की प्राप्ति होगी। संतान के विषय में आपको चिंता हो सकती है।

वृषभ

काम की अधिक व्यस्तता के कारण परिवार पर कम ध्यान दे पाएंगे। सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। पेट दर्द से परेशानी हो सकती है। आज आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ करेंगे।

मिथुन

पिता की ओर से आपको लाभ हो सकता है। सरकारी कामों में आर्थिक लाभ आपको मिल सकता है। संतान के लिए पूंजी निवेश करेंगे। नई योजना का आरंभ करने के लिए आज अनुकूल दिन है। सरकारी काम में लाभ होगा।

कर्क

अधिकारियों से काम का उचित फल भी मिल सकता है। भाई-बंधुओं के साथ कोई झगड़ा दूर होगा। विचार लगातार परिवर्तन होते रहेंगे। आर्थिक विषय में सावधानी बरतनी आवश्यक है। नेगेटिव विचारों से मन परेशान रह सकता है।

सिंह

मानसिक रूप से स्वस्थता का अनुभव नहीं करेंगे। कुटुंबजनों के साथ किसी विषय पर वाद-विवाद हो सकता है। विद्यार्थियों को अभ्यास का अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेगा। अनैतिक कामों से दूर रहें।

कन्या

आप में आज आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा रहेगा। किसी भी काम को करने के लिए आप जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं। पिता तथा बड़ों की ओर से लाभ होगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

तुला

वाणी में उग्रता ना रखें। क्रोध की मात्रा अधिक रह सकती है। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आज इगो के कारण किसी से बातचीत में मनमुटाव हो सकता है। शारीरिक थकान और मानसिक तनाव अधिक रहेगा।

वृश्चिक

मित्रों के साथ किसी बात विवाद हो सकता है। स्वभाव में आवेश और क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी। धार्मिक कामों में धन का खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आकस्मिक धन का खर्च हो सकता है।

धनु

आपका आज का दिन शुभफलदायी है। कई क्षेत्रों से आपको लाभ होगा। इनकम में भी वृद्धि हो सकती है। मित्रों से लाभ होगा और उनके पीछे धन खर्च भी हो सकता है। पर्यटन स्थल की सैर आपको रोमांचित करेगी।

मकर

परिजनों से मुलाकात आनंददायी हो सकती है। विवाह योग्य जातकों का रिश्ता पक्का हो सकता है। उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी। आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी होगा। व्यावसायिक स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा।

कुंभ

आज के दिन परिजनों के साथ पर्यटन का आनंद उठाएंगे। सुबह मन खुश रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद किसी बात की चिंता आपको हो सकती है। अधिक खर्च होने से धन की तंगी रहेगी। सरकारी कामों में विघ्न आएंगे।

मीन

काम में सफलता प्राप्त करने में आसानी होगी। मान-प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति होगी। गृहस्थ जीवन में भी आनंद का वातावरण छाया रहेगा। व्यापार के उद्देश्य से कहीं बाहर भी जाना हो सकता है।

मामूली कहासुनी के बाद युवक पर बोलेरो चढ़ाकर हत्या, तीन घायलों में से एक की मौत

आक्रोशित लोगों ने चार घण्टे तक थाने के बाहर किया प्रदर्शन

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज़)। शहर में एक युवक की हत्या के बाद लोग आक्रोशित हो गए तथा जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस-लोगों के बीच खींचतान की स्थिति बनी लेकिन ए.एस.पी. गणेशाराम सहित पुलिस अधिकारियों द्वारा चार घण्टे की समझाईश के बाद लोग शान्त हो गए तथा शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर रवाना हुए। इस सम्बन्ध में प्रार्थी अम्बालाल पुत्र रामनिवास जाटोलिया जाति रैगर निवासी रैगर बस्ती, बानूड़ा स्कूल के पीछे कुचामनसिटी ने मुकदमा दर्ज कराया है कि 13 दिसम्बर को शाम करीब 6 बजे रैगर समाज की लाईब्रेरी में वह स्वयं एवं सूर्यकांत उर्फ पिण्टू पुत्र जगदीशप्रसाद, रोहित पुत्र गोपाललाल मोहनपुरिया पढ़ाई करके रीट का प्रमाण पत्र निकलवाने के लिए ई मित्र केन्द्र पर जा रहे थे, तभी टॉवर वाली गली के पास एक स्पलेण्डर मोटरसाइकिल पर दो लड़के अकील एवं कयूम आए एवं आते ही उनके साथ गाली-गलौच की। मुल्जिमानों ने गाली निकालते

हुए हमसे कहा कि तुम्हे बहुत दिन हो गए है। आज तुम्हारा इलाज कर देते है। तब सूर्यकांत उर्फ पिण्टू ने उनको समझाया और कहा कि गाली-गलौच क्यों कर रहे हो। फिर दोनों मुल्जिमानों ने कहा कि अभी हम तुम्हे देख लेंगे।

इसके बाद मुल्जिम कयूम मोटरसाइकिल लेकर एवं अकील दौड़कर गए एवं पास में खड़ी सफेद रंग की बिना नम्बरी बोलेरो में सवार होकर पूर्व नियोजित आपराधिक षड्यन्त्र रचकर एक राय होकर आए तथा उन्हें जान से मारने की नीयत से बोलेरो गाड़ी उनके ऊपर चढ़ा दी, जिससे रोहित के सिर, आंख, जबड़े, सूर्यकांत उर्फ पिण्टू के सिर एवं सीने तथा प्रार्थी के पीठ पर गम्भीर चोटें आई। इस गाड़ी में कमल एवं दो अन्य सहित कयूम एवं अकील सवार होकर आए थे। इसके बाद वह दौड़कर लाईब्रेरी में गया और वहां पढ़ रहे लड़कों को बुलाकर लाया, जिसमें विनोद, दीपक, विनय आए एवं सूर्यकांत उर्फ पिण्टू, रोहित को राजकीय चिकित्सालय ले गए, जहां से सूर्यकांत उर्फ पिण्टू को गम्भीर चोट होने की वजह से जयपुर रैफर कर दिया गया, जहां दौराने इलाज सूर्यकांत उर्फ पिण्टू की मृत्यु हो गई। वह काफी डरा हुआ था, जिसके कारण रात्रि में रिपोर्ट नहीं दे सका। पुलिस ने अपराध धारा 143, 302, 323, 341 भादस एवं 3(2)(वी) एस.सी./एस.टी. एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मामले की जांच वृत्ताधिकारी एवं पुलिस उपअधीक्षक कुचामनसिटी संजीव कटेवा कर रहे है।

चार घण्टे तक चली गर्मागर्मी-

युवक की हत्या की जानकारी मिलते ही शहर के रैगर मौहल्ले सहित विभिन्न मौहल्लों से बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। चूंकि सूर्यकांत की मृत्यु एस.एम.एस. हॉस्पिटल जयपुर में दौराने इलाज हुई थी लिहाजा उसका एस.एम.एस. हॉस्पिटल के चीरघर में ही पोस्टमार्टम हुआ। शव कुचामनसिटी पहुंचता, इससे पहले ही बड़ी संख्या में लोग थाने के सामने एकत्रित हो गए। इन लोगों ने थाने के बाहर नारेबाजी शुरु कर दी। देखते ही देखते 500 से अधिक लोग थाने के बाहर एकत्रित हो गए। अफवाह यह भी फैली कि पुलिस ने हत्या नहीं वरन् दुर्घटना की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है तो लोग और अधिक आक्रोशित हो गए। मध्याह्न करीब 1 बजे मृतक का शव कुचामनसिटी पहुंचा। सी.आई. मनोज माचरा ने शव के वाहन को पुलिस थाना कुचामनसिटी से करीब आधा किलोमीटर दूर स्टेशन रोड पर ही रोक लिया तथा पोस्ट मार्टम कराने की बात कहने लगे। सम्भवत- पुलिस का प्रयास यह था कि शव सीधा घर पहुंचे। थाने के सामने एकत्रित लोगों तक एम्बूलेंस नहीं पहुंचे। लोगों को जब जानकारी मिली कि पुलिस द्वारा शव रोक लिया गया है तो वे और अधिक आक्रोशित हो गए तथा दौड़ते हुए शव वाली एम्बुलेंस के पास पहुंचे। यहां थानाधिकारी मनोच माचरा एवं लोगों के बीच जोरदार गर्मागर्मी हुई। जब पुलिस ने एम्बूलेंस बंद करवा दी तो लोग एम्बूलेंस के धक्का लगाकर ले जाने लगे। पुलिस ने फिर लोगों को रोकने का प्रयास किया तथा पुलिस की गाड़ी एम्बूलेंस के आड़ी लगा दी। लोग कहां मानने वाले थे। उन्होंने पुलिस की गाड़ी के पास से एम्बूलेंस निकाल ली। लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने इन्हें नहीं रोका तथा गाड़ी को जाने दिया। जब शव पुलिस थाने के सामने पहुंचा तो लोगों ने जमकर नारेबाजी शुरु कर दी, पुलिस थाने के सामने जाम लगा दिया। थाने के दोनों तरफ बेरीकेट्स लगाकर रास्ते को रोक दिया तथा सड़क पर ही बैठ गए। गर्मागर्मी का दौर चलता रहा। ए.एस.पी. गणेशाराम चौधरी ने लोगों से खूब समझाईश का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित लोग नारे लगाते रहे।

छावनी बना रहा थाना

इस दौरान ए.एस.पी. डीडवाना विमल नेहरा, पुलिस उपअधीक्षक कुचामनसिटी संजीव कटेवा, थानाधिकारी कुचामनसिटी मनोज माचरा, थानाधिकारी नावां धर्मेश दायमा, थानाधिकारी चित्तावा हरीराम जाजुन्दा, थानाधिकारी मारोठ खेताराम चौधरी सहित चार थानों का पुलिस जाब्ता, क्यू.आर.टी. के जवान तैनात किए गए। सूचना मिलने पर पूर्व विधायक विजयसिंह चौधरी, नगरपरिषद् उपसभापति हेमराज चावला, कांग्रेसी नेता गजेन्द्र कांसोटिया, राधेश्याम कांसोटिया, पार्षद जवानाराम, लोकेन्द्रसिंह मीठड़ी, युवा नेता रामनिवास पोषक सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे तथा आक्रोश व्यक्त किया।

इस प्रकार बनी सहमति

ए.एस.पी. गणेशाराम ने लोगों को बताया कि इस सम्बन्ध में तीन लोगों को डिटेन कर लिया गया है तथा वारदात में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिया गया है लेकिन लोगों ने विश्वास नहीं किया। इसके बाद ए.एस.पी. गणेशाराम के निर्देशानुसार पुलिस उपअधीक्षक कुचामनसिटी संजीव कटेवा उपसभापति हेमराज चावला सहित चार लोगों को अपने वाहन में डिप्टी ऑफिस ले गए तथा मुल्जिमानों को हिरासत में लिए हुए दिखाकर लाए, साथ ही बरामद गाड़ी भी दिखाई। प्रतिनिधि मण्डल ने लोगों को जब जानकारी दी कि मुल्जिमानों को हिरास में ले लिया गया है तब लोग शान्त हुए। करीब साढ़े तीन बजे शव को पुलिस थाने के सामने से घर के लिए रवाना किया गया।

मौलसर की छ बालिकाओ का अन्तरराष्ट्रीय शूंटिग बॉल में चयन

सद्दाम रंगरेज

कुचामन सिटी(नागौड़ डेली न्यूज़) = 41वी बालिका जूनियर वर्ग राष्ट्रीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का आयोजन 9 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2022 को तेलैगांना मे संपन्न हुआ । पंजीकृत जिला शूटिंग बॉल संध नागोर के अध्यक्ष कर्नल नंदकिशोर ढाका ने बताया कि जोधपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के उपरांत मौलासर क्षेत्र की सुश्री मनीषा चौधरी, नीलम बिजारनिया, मोनिका गोस्वामी, पवन जांगू, तनु राठौड़ और प्रियंका थालोड़ इन छः बालिकाओ का राजस्थान टीम मे चयन हुआ। तत्पश्चात तेलंगाना मे आयोजित राष्ट्रीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में इन बालिकाओं ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल मे कड़ी टक्कर दी। राष्ट्रीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में इन बालिकाओं का उम्दा प्रदर्शन देखकर राष्ट्रीय शूटिंग बॉल चयन समिति द्वारा इनमे से सुश्री मनीषा चौधरी, नीलम बिजारनिया, मोनिका गोस्वामी और पवन जांगू का अन्तरराष्ट्रीय जुनियर बालिका वर्ग मे चयन किया गया जो संपूर्ण राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि इन सभी बालिकाओ को शूटिंग बॉल खेल की इतनी शानदार तैयारी करवाने में भांवता के श्री रामनिवास जी गुर्जर और धीरज सिंह जी जुसरी की अहम भूमिका रही है। राजस्थान शूटिंग बाल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कर्नल नंदकिशोर ढाका ने बताया कि आगे भी बालक व बालिकाओ को लगातार कोचिंग देकर जिले व राजस्थान के लिए खिलाडी तैयार करने के लिए तत्पर रहेगे। तेलंगाना से लौटने के बाद आज शिक्षा नगरी कुचामन सिटी की कर्नल डिफेंस एकेडमी में इन सभी खिलाड़ियों को माला और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। मौके पर कर्नल नंदकिशोर ढाका, कर्नल डिफेंस एकेडमी के मैनेजिंग डायरेक्टर मेजर एनआर थाकन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक श्री अर्जुन राम निठारवाल, आदर्श कॉलेज के निदेशक डॉ राजाराम प्रजापति, श्री राम महला, कर्नल डिफेंस एकेडमी के मुख्य प्रशिक्षक कैप्टन भंवरा राम खिलेरी, हवलदार हुकमाराम भाकर, संजय मुवाल, डालूराम बलारा, रामगोपाल बोचलिया, रामनिवास भांबू आदि उपस्थित रहे।

धर्मार्थ ट्रस्ट का व्यवसायिकी करने पर रोक लगाने की मांग

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज़)। डेगाना के नितेश तोषनीवाल ओर शिव प्रसाद सोनी ने मंगलवार को एसडीएम डेगाना को ज्ञापन देकर बताया की सदर बाजार रेलवे स्टेशन के सामने श्रीरंग धर्मशाला व सराय के लिए 1911 में पट्टा जारी किया गया। जिसका प्रयोजन धार्मिक व दान के रूप में किया जाना था। जिस पर कुछ लोगो ने मिलकर इस धमार्थ जमीन पर वर्तमान समय में चार मंजिला व्यवसायिक ईमारत खड़ी कर दी गई है। जो की पूर्ण रूप से अवैध है और इसका निर्माण आज दिनांक तक भी जारी है। ज्ञापन में बताया की नगरपालिका मण्डल डेगाना द्वारा वर्ष 2015 में निर्माण की एक साल के लिए स्वीकृति ली गई थी। इसके बावजूद भी आज दिन तक निर्माण कार्य अनवरत रूप से जारी है। नगरपालिका प्रशासन की उदासिनता मिलिभगत के चलते सारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस जमीन पर बना ट्रस्ट पूर्ण रूप से अवैध तो, और यह जमीन एवं सम्पूर्ण व्यवसायिक गतिविधियां बिना किसी प्रबंधन के संचालित हो रही है। जिस पर रोक लगाने की मांग की गई।

पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत चिरंजीवी योजना से जोड़ें : एसडीएम

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज़)। राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी महत्वकांक्षी चिरंजीवी योजना में लाभार्थियों का नवीनीकरण करने को लेकर उपखंड क्षेत्र डेगाना में बुधवार को प्रत्येक ग्राम पंचायत के ग्राम स्तर पर, नगर पालिका क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड स्तर पर चिरंजीवी योजना के महा अभियान शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में प्रत्येक ग्राम पंचायत के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर सुबह 9 से शाम 5 बजे तक उपखंड अधिकारी डेगाना पंकज गढ़वाल द्वारा गठित कमेटी के सदस्यों की ड्यूटी लगाकर सभी प्रकार की श्रेणियों में शत प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीयन एवं नवीनीकरण किया गया। उपखंड अधिकारी पंकज गढ़वाल ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में खाद्य सुरक्षा योजना में लाभान्वित परिवारों, लघु, सीमांत कृषक, भूमिहीन एवं राज्य के समस्त विभागों में कार्यरत संविदा कार्मिकों को निशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त अन्य परिवार प्रतिवर्ष प्रीमियम राशि का भुगतान कर उक्त योजना में जोड़े जाते हैं। उक्त योजना में अधिक से अधिक लोगों को जोडने के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में उपखंड अधिकारी डेगाना द्वारा अटल सेवा केंद्र चांदारूण, मांझी, गुणसली, जाखेड़ा, डावोली मीठी का औचक निरीक्षण कर कैंप की प्रगति ली गई। उपखंड अधिकारी पंकज गढ़वाल द्वारा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी रामकिशोर सारण के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाखेड़ा एवं उप स्वास्थ्य केंद्र किरोदा का औचक निरीक्षण कर राजकीय अस्पतालों में व्यवस्थाओं की जानकारी ली एंव आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

परिवादी निडर होकर पुलिस के समक्ष रखे अपनी समस्या : सैनी

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज़)। पुलिस वृत कार्यालय डेगाना में बुधवार को पुलिस उप अधिक्षक नंदलाल सैनी के द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन गया।, जिसमें शहर के लोगो ने अतिक्रमण के चलते डेगाना में बिगडी यातायात व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की, ओर शहर में हो रही लगातार मोटर साईकिलों की चोरी पर अंकुश लगाने की मांग की। लोगो ने बताया की सदर बाजार की मुख्य सडकों की खराब हालत के कारण भी लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। साथ ही जाम नालियों से उफन कर बाहर सडकों पर आने वाले गंदे पानी की भारी समस्या बताई गई। जिस पर डिप्टी नंदलाल सैनी ने कहा की ये सभी प्रकार की समस्याएं नगरपालिका डेगाना से संबधित हे । जिसे पालिका प्रशासन को अवगत करवा कर समाधान कराने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर डिप्टी नंदलाल सैनी ने भामाशाह हरिश पुजारी जालसु नानक द्वारा डेगाना पुलिस थाने मे आने वाले परिवादियों के लिए शौभासेट ओर फर्नीचर भेंट करने पर आभार प्रकट किया । इस अवसर पर पुजारी ने पुलिस थाना डेगाना के प्रवेश द्वार का निर्माण कराने का प्रस्ताव रखा।

नील गाय को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो ने खाई पलटी, चालक घायल

हुकमाराम ताडा

खींवसर(नागौर डेली न्यूज़) = खींवसर शहर के नारवा सड़क मार्ग पर बुधवार को 12 बजे स्कॉर्पियो गाड़ी के आगे अचानक नील गाय आने के कारण स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो गाड़ी चालक घायल हुआ। वहीं घटना में स्कॉर्पियो गाड़ी पलटी खाकर क्षतिग्रस्त हो गई। आपको बता दें कि स्कॉर्पियो गाड़ी आरजे 21 यूबी 4266 लेकर खींवसर से नारवा जा रहे करमाराम ताड़ा के सामने अचानक सड़क पर नील गाय आ गई।

बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो गाड़ी पलटी खा गई। हादसे में करमाराम ताड़ा घायल हुए जहां राहगीरों ने उपचार के लिए निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

ठेले और पथ विक्रेताओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज़)। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत सभी पथ विक्रेताओं को एफएसएसएआई के तत्वावधान मे शहरी आजीविका केंद्र नगर परिषद मकराना के द्वारा फूड सेफ्टी और हाइजीन मेंटेनेंस का 2 दिवसीय प्रशिक्षण 15 और 16 दिसम्बर को दिया जायेगा। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शहर के शिव कॉलोनी स्थित तुलसी भवन, ठाकुर साहब की आखली माताभर रोड और माली समाज धर्मशाला हॉस्पिटल रोड में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिया जायेगा।

सुलभ शौचालय का फीता काटकर किया भव्य शुभारंभ

लुकमान शाह

थांवला(नागौर डेली न्यूज़) = कस्बे के बस स्टेंड पर बुधवार को थांवला सरपंच मंजूबाला सहित अतिथियों ने सुलभ शौचालय का फीता काटकर भव्य शुभारंभ किया।वर्षो से बस स्टेंड पर सुलभ शौचालय के अभाव में ग्रामीणों सहित यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष कर महिलाओ को असुविधा होती थी।स्थानीय ग्राम पंचायत के वार्डपंचो जनप्रतिनिधियो सहित सजग ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य पूरा हुआ।लम्बे समय से निर्माणाधीन इस भवन का बुधवार को ढोल धमाके के साथ पुष्प मालाओं से सजाकर फीता काटकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के शुभारंभ में जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों अथितियों सहित मीडियाकर्मियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रामीणों को लड्डू बांटकर मुंह मीठा करवाया गया।इस मौके पर थांवला सरपंच मंजुबाला,सरपंच प्रतिनिधि अटल मावर,पूर्व सरपंच प्रतिनिधि पुरषोतम उदावत,पूर्व सरपंच लक्ष्मीचंद दायमा,शिवरत्न जेथलिया,उप सरपंच हनुमान गहलोत,सरदार जैन,मुन्ना भाई प्रजापत,नेमीचंद सेन,संजय पालडिया,दिलीप खटोड़,लादूराम उपाध्याय,अशोक टाक,नंदकिशोर कुमावत,दीपिक सिंह,जयप्रकाश उपाध्याय,शेखर सारस्वत सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मूंडवा, बासनी नेता व केएचपी मूंडवा की टीमे रही विजेता

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज)। मूण्डवा शहर के पोखण्डी तालाब के ग्राउंड पर आयोजित ओम गणेश क्रिकेट कप प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को तीन मैच खेले गए। आयोजनकर्ता विशाल कंदोई ने बताया कि प्रतियोगिता दूसरे दिन बुधवार को पहला मैच पंचायत समिति क्रिकेट क्लब मूण्डवा वर्सेज बीसीसी क्रिकेट क्लब मूंडवा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पंचायत समिति मूंडवा की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 105 रन बनाए। जिसके जवाब में बीसीसीआई क्रिकेट क्लब मूंडवा की टीम 85 रन पर ऑल आउट हो गई और पंचायत समिति मूंडवा की टीम ने 19 रनो से मैच जीत लिया। जिसमें बासनी नेता ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 149 रन बनाए। जिसके जवाब में गोलियासनी क्रिकेट क्लब 56 रनों पर ऑल आउट हो गई और बासनी नेता की टीम 93 रनो से विजेता रही। तीसरा मैच केएचपी क्रिकेट क्लब मूण्डवा वर्सेज मंचानाथ क्रिकेट क्लब

जारासणी के बीच खेला गया, जिसमें मंचानाथ क्रिकेट क्लब जारासणी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 92 रन बनाए।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com